भारतीय मध्यस्थता प्रणाली को सशक्त और पारदर्शी बनाने पर दिया जोर

- यूपीईएस स्कूल आफ ला के सम्मेलन में न्यायविदों, नीति निर्माताओं ने रखे विचार
- बिधौली परिसर में उत्तराखंड सरकार के सहयोग से पब्लिक ला एंड पालिसी लैब स्थापित

यूपीईएस की ओर से दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) विक्रमजीत सेन, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हेमंत गुप्ता, यूपीईएस स्कूल आफ ला के डीन डा. अभिषेक सिन्हा • आयोजक

जागरण संवाददाता, देहरादून: यूपीईएस स्कूल आफ ला की ओर से प्रतिष्ठित कानूनी सम्मेलन श्रृंखला 'एडाप्ट या पेरिश' के दूसरे संस्करण का आयोजन नई दिल्ली में किया। इस बार सम्मेलन की थीम भारतीय मध्यस्थता एक चौराहे पर: सुधार, विरोध और एक मध्यस्थता केंद्र के रूप में भविष्य रहा, जिसमें देश के प्रमुख न्यायविदों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति विक्रमजीत सेन और इंडिया इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर के अध्यक्ष व सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता उपस्थित रहे। दोनों ने अपने वक्तव्यों में भारत की मध्यस्थता प्रणाली को सशक्त और पारदर्शी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के विभिन्न राउंडटेबल और पैनल सत्रों में कई अहम विषयों-भारत का बदलता मध्यस्थता रुख, प्रक्रिया में देरी, मध्यस्थों की जवाबदेही, नैतिकता व स्वायत्तता, न्यायिक हस्तक्षेप, प्रवर्तन की चुनौतियां पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। वक्ताओं ने भारत को एक वैश्विक मध्यस्थता केंद्र के रूप में उभरने के लिए आवश्यक सुधारों पर गहन संवाद किया। कान्फ्रेंस का उद्घाटन करते हुए यूपीईएस स्कूल आफ ला के डीन डा. अभिषेक सिन्हा ने कहा, भारत इस समय मध्यस्थता की दिशा में एक निर्णायक मोड़ पर है। ऐसे आयोजन विचारशील और क्रियाशील व्यक्तियों को मंच देकर व्यावहारिक समाधान की दिशा में सार्थक पहल करते हैं। यूपीईएस स्कूल आफ ला ने विधिक शिक्षा में कई नवाचार किए हैं, जिनमें भारत की पहली एआर-वीआर आधारित लीगल लैब और एआइ-आधारित डिजिटल ला प्रोफेसर शामिल हैं। इसके अलावा, उत्तराखंड सरकार के सहयोग से पब्लिक ला एंड पालिसी लैब की स्थापना कर छात्रों को नीति-निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ा गया है। बताया कि यूपीईएस की राष्ट्रीय व वैश्विक पहचान बनी है। बीडब्ल्यू लीगल वर्ल्ड की ओर से नार्थ जोन में तीसरा स्थान और एनआइआरएफ 2024 रैंकिंग में देशभर में 28वां स्थान प्राप्त कर यूपीईएस स्कूल आफ ला विधिक शिक्षा में अपनी अलग पहचान बना चुका है। किंग्स कालेज लंदन, यूसी बर्कले और यूएनएसडब्ल्यू सिडनी जैसे संस्थानों के साथ इसके वैश्विक सहयोग छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की कानूनी दक्षता प्रदान कर रहे हैं।